ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା
Odisha State Open University, Sambalpur, Odisha
Established by an Act of Government of Odisha.

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
संबलपुर, ओड़िशा

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

Generic Elective in Hindi

Semester – 01
(G.E.H.D.)

सत्रीय कार्य
Assignment

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी ,

ओड़ीशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के स्नातक (सम्मान) कार्यक्रम में आपका स्वागत हैं ।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा मे सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें, बिना सत्रीय कार्य पूर्ण किए आप सत्रांत परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएंगे। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कुल (सत्रांत परीक्षा + सत्रीय कार्य) मिलकर 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा समय पर सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा ना करने की स्थिति में आपको अगले सत्र में उस नए सत्र और पिछले सत्र का सत्रीय कार्य भी जमा होगा।

सत्रीय कार्य का महत्त्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंको का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में सहायक साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 20 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 80 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप - रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध बी.ए. कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें।
बी.ए. कार्यक्रम के इस पर्याय (semester) में निर्धारित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं –
जी.ई.एच.डी. – 1 (GEHD – 1) : 6 क्रेडिट के लिए 2 प्रश्नपत्र

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट कोर्स के लिए एक प्रश्नपत्र होगा और 6 और 8 क्रेडिट कोर्स के लिए दो प्रश्नपत्र होंगे ।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामाग्री को कितना पढ़ा – समझना है और उसका विवेचन – विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की हैं।

सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका कैसे तैयार करेंगे

1. उत्तर के लिए फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर स्पष्ट और साफ़ लिखे।
3. निर्देशों को पढ़कर उसी के अनुसार उत्तर दे।
4. पूछे गए प्रश्नों के आधार पर उत्तर दे, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से इतर कुछ ना लिखें।

उत्तर पुस्तिका के आवरण पृष्ठ यानि पृष्ठ संख्या - 1 का नमूना नीचे दिया जा रहा हैं -

अनुक्रमांक .....

नाम .....

पता .....

कार्यक्रम का नाम .....

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

हस्ताक्षर .....

दिनांक .....

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि का विवरण

क्रम सं	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड सं	क्रेडिट	अंतिम तिथि	दिन
1.	जी.ई.एच.डी. – 1	मध्यकालीन इतिहास और भक्ति कविता	1,2,3	06	28 फरवरी 2021	रविवार
2.	जी.ई.एच.डी. – 1	मध्यकालीन इतिहास और भक्ति कविता	4,5		28 फरवरी 2021	रविवार

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

प्रथम वर्ष पर्याय (Semester) – 1

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : मध्यकालीन इतिहास और भक्ति कविता

पाठ्यक्रम कोड : जी.ई.एच.डी – 1

खंड – (01,02,03 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. 1857 मे कौन सी क्रांति हुई थी ?
ख. हिन्दी का प्रारंभिक साहित्य किस काल में लिखा गया ?
ग. आदिकाल को वीरकाल किसने कहा हैं ?
घ. उत्तर मध्यकाल को और कितने नामों से जाना जाता हैं ?
ङ. किस काल को वीरगाथा काल भी कहते हैं ?
च. किसे भक्तिकाल के रामभक्ति धारा का महत्त्वपूर्ण कवि माना जाता है ?
छ. कबीर का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
ज. शंकराचार्य ने किसे मिथ्या कहा हैं ?
झ. दादूदयाल कौन हैं ?
ञ. तरीकत क्या हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. जार्ज ग्रियर्सन द्वारा किया गया काल विभाजन को अपने शब्दों में लिखिए।
ख. ज्ञान मार्गी का अर्थ स्पष्ट कीजिये।
ग. माया और मोक्ष मे क्या अंतर हैं ?
घ. सूफी कौन थे ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. आधुनिक काल के काल खंडो पर विस्तार से चर्चा करें।
ख. भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतो पर चर्चा करें।
ग. छंद और अलंकार मे अंतर स्पष्ट कीजिये।
घ. सूफी काव्य मे रहस्यवाद क्या हैं ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. भक्तिकाल की सामाजिक परिस्थितियों की व्याख्या कीजिये।
ख. जायसी का परिचय देते हुये उनके काव्य की विशेषताओं पर चर्चा करें ।

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिन्दी)

प्रथम वर्ष पर्याय (Semester) – 1

सत्रीय कार्य –2

सत्र – जलाई 2020

पाठ्यक्रम का नाम : मध्यकालीन इतिहास और भक्ति कविता

पाठ्यक्रम कोड : जी.ई.एच.डी – 1

खंड – (04,05 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें।]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

क. कृष्ण भक्ति काव्य में प्रायः प्रयुक्त होने वाली भाषा कौन है ?
ख. वल्लभ संप्रदाय की स्थापना किसने किया ?
ग. चैतन्य संप्रदाय की स्थापना कब और किसने किया ?
घ. कृष्णचैतन्य के गुरु कौन थे?
ङ. सूरदास का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
च. सूरदास की प्रमुख रचनाओं का परिचय दीजिये।
छ. रामचरितमानस की रचना कब आरंभ की गई?
ज. रामानुजाचार्य ने किस दर्शन का प्रतिपादन किया?
झ. तुलसीदास के किस ग्रंथ में ज्योतिष का वर्णन है?
ञ. रमानंद कौन हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

क. राधा – वल्लभ संप्रदाय को समझाइए।
ख. विद्यापति का सामान्य परिचय दीजिये।
ग. श्रृंगार वर्णन क्या हैं ?
घ. तुलसीदास का परिचय दीजिये।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

क. कृष्ण की नायिका राधा पे विस्तार से चर्चा कीजिये।
ख. कृष्ण काव्य की काव्यभाषा को समझाइए।
ग. रस विवेचन को समझाइए।
घ. प्रतीक और बिंब मे क्या अंतर हैं ?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

क. सूरदास की काव्य भाषा को समझाइए।
ख. राम काव्य परंपरा पर विस्तार से चर्चा कीजिये।